i-NEXT PAGE 4

एलयू में अब जनजातीय अध्ययन केंद्र खोलने की शुरू हुई तैयारी..

एंथ्रोपॉलजी विभाग ने बनाया प्रस्ताव, जनजातीय लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने की तैयारी

LUCKNOW(1 April): लखनऊ यूनिवर्सिटी अब जनजातीय लोगों को भी मुख्यधारा से जोड़ने का काम करने की योजना बना रहा है. एलयू के एंथ्रोपॉलोजी विभाग ने जनजातीय अध्ययन केंद्र खोलने का प्रस्ताव बनाया है. इस प्रस्ताव के तहत विभाग जनजातीय लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने का तो काम करेगा ही, साथ ही उन्हें इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स दिलाने का भी काम किया जाएगा.

समाज पर करते हैं रिसर्च

विभागाध्यक्ष डॉ. केया पांडेय ने बताया कि हम लोग जनजातीय समाज पर रिसर्च करते रहते हैं. रिपोर्ट सरकार को सौंप देते हैं. उनपर काम होता रहता है. ऐसे में हम लोग एक ऐसा केंद्र खोलने का प्रस्ताव बनाया है जिसके जरिए इन लोगों को मुख्य धारा से जोड़ा जा सके. इससे इन्हें भी फायदा मिलेगा साथ ही इनकी जो ट्रेडिशनल प्रैक्टिस है उसमें कई ऐसे अहम पौधे होते हैं जिन्हें हम उपयोग में ला सकते हैं. उनका पेटेंट करा सकते हैं. कोशिश यह भी रहेगी कि इनको इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स भी दिलवा सकें.

उत्तर प्रदेश की कहानियां

डॉ. केया पांडेय ने बताया कि इसके अलावा हम लोगों ने एक योजना बनाई है कि हम लोग प्रदेश के इतिहास, सांस्कृतिक सामाजिक विरासत, स्मारकों और यहां के लोगों की सक्सेस स्टोरीज को ऑडियो और वीडियो के जरिए सुना जाए. यह सभी कहानियां जल्द यूट्यूब या ट्विटर के जरिए सुनाई जाएंगी. इसके अलावा हम लोग पोस्ट ग्रेजुएट लेवल पर स्टूडेंट्स को संग्रहालय विज्ञान की पढ़ाई कराना चाहते हैं. इसमें स्टूडेंट्स संग्रहालय बनाने और उसके रखरखाव के तरीकों को सीखेंगे.

●बनाया अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शोध प्रकोष्ठ में बदलाव कर अब उसे अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ में परिवर्तित कर दिया है. यूजीसी ने तीन फरवरी को इस संबंध में गाइडलाइन जारी की थी. उसी आधार पर विश्वविद्यालय ने इस बदलाव के लिए कमेटी बनाई थी. कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद बीते 28 मार्च को कार्य परिषद में इसका अनुमोदन होने के बाद शनिवार को कुलसचिव संजय मेधावी ने इसका आदेश जारी कर दिया. इस प्रकोष्ठ की संगठनात्मक संरचना बनाई गई है, जिसके तहत यह कार्य करेगा. इसमें कुलपति अध्यक्ष, निदेशक आरडीसी संयोजक होंगे. इसके अलावा उप निदेशक (फाइनेंस एंड इंफ्रास्ट्रक्चर), उप निदेशक (रिसर्च प्रोग्राम, पालिसी डेवलपमेंट), उप निदेशक (कोलाबोरेशन एंड कम्युनिटी), उप निदेशक (उत्पाद विकास, निगरानी व व्यावसायीकरण), उप निदेशक (आइपीआर, लीगल एंड एथिकल मैटर्स) होंगे. इसके तहत अनुसंधान नीतियों में पर्याप्त स्वायत्तता के साथ सक्षम प्रविधानों का निर्माण करना, शोध का प्रचार प्रसार, उसे बढ़ावा देने सहित शोध से जुड़े तमाम कार्य किए जाएंग

●लखनऊ यूनिवर्सिटी में सेमिनार का आयोजन

लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में शनिवार को सेमिनार का आयोजन किया गया. विभाग की शोध छात्रा इरम खान ने धर्म एवं नैतिकता के संबंध का दार्शनिक विवेचन विषय पर अपने विचार रखे. सेमिनार में दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डा. रजनी श्रीवास्तव, प्रयागराज विश्वविद्यालय के दर्शनशात्र विभाग के प्रो. ऋषीकांत पांडेय व अन्य शिक्षक मौजूद रहे.

●अक्षय को ज्यूडिशियल सर्विसेज में 17वीं रैंक

एलयू के विधि संकाय के पूर्व छात्र अक्षय श्रीवास्तव ने दिल्ली ज्यूडिशियल सर्विसेज में 76वी रैंक के साथ सफलता हासिल की है. अक्षय ने 2011-2016 के दौरान एलयू के विधि संकाय से विधि आनर्स की पढ़ाई की थी. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन और प्रो. बीडी सिंह ने छात्र को बधाई दी.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

दो विद्यार्थी न्यायिक सेवा में चयनित

लखनऊ। लविवि के विधि विभाग के दो विद्यार्थियों का चयन न्यायिक सेवा में हुआ है। अक्षय श्रीवास्तव ने दिल्ली न्यायिक सेवा में 76वीं रैंक हासिल की है। जबकि कहकशां जबीन ने 17वीं रैंक हासिल की है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और संकाय अध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। (संवाद)

रिसर्च सेल अब रिसर्च एंड डवलपमेंट सेल

लखनऊ। लविवि की रिसर्च सेल अब रिसर्च एंड डवलपमेंट सेल के नाम से जानी जाएगी। यूजीसी के निर्देशों के बाद कार्यपरिषद की बैठक में विवि के शोध प्रकोष्ठ को अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ में परिवर्तित किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के कुलसचिव संजय मेधावी ने शनिवार को इसका औपचारिक आदेश जारी कर दिया। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में रिसर्च एंड डेवलेपमेंट सेल बनेगी

लखनऊ। एलयू में शोध प्रकोष्ठ को अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (आरडीसी) के रूप में परिवर्तित करके स्थापित किया जाएगा। यह निर्णय मंगलवार को हुई कार्य परिषद की बैठक में लिया जा चुका है। इस संबंध में कुलसचिव संजय मेधावी ने शनिवार को आदेश जारी किया है। आरडीसी सेल के चेयरमैन कुलपति होंगे। जबकि एक निदेशक और पांच उप निदेशक भी बनाए जाएंगे। सेल का काम शोध की गुणवत्ता को बढ़ावा देना, प्रसार करना होगा।

LOKSATYA PAGE 3

धर्म-नैतिकता के मानव जीवन से संबंध बताए

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ यूनिवर्सिटी के दर्शनशास्त्र विभाग की तरफ से सैटरडे सेमिनार हुआ। सेमिनार में दर्शनशास्त्र विभाग की शोध छात्रा इरम खान ने व्याख्यान दिया। व्याख्यान का विषय 'धर्म एवं नैतिकता के संबंध का दार्शनिक विवेचन' था। उन्होंने अपने व्याख्यान में धर्म एवं नैतिकता के मानव जीवन से संबंध एवं उसके महत्व बताया। दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. रजनी श्रीवास्तव एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो ऋषीकांत पांडेय, विभागीय शिक्षक प्रो राकेश चन्द्र, डॉ राजेंद्र कुमार वर्मा, डॉ प्रशान्त शुक्ला मौजूद रहे। कार्यक्रम समन्वयक शोधछात्र अनुज कुमार मिश्र व सह-समन्वयक शीतल शर्मा रहे। संचालन विभाग की शोध छात्रा महाश्वेता ने किया।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि ने बनाया अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शोध प्रकोष्ठ में बदलाव कर अब उसे अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ में परिवर्तित कर दिया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने तीन फरवरी को इस संबंध में गाइडलाइन जारी की थी। उसी आधार पर विश्वविद्यालय ने इस बदलाव के लिए कमेटी बनाई थी। कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद बीते 28 मार्च को कार्य परिषद में इसका अनुमोदन होने के बाद शनिवार को कुलसचिव संजय मेधावी ने इसका आदेश जारी कर दिया। इस प्रकोष्ठ की संगठनात्मक संरचना बनाई गई है, जिसके तहत यह कार्य करेगा। इसमें कुलपति अध्यक्ष, निदेशक आरडीसी संयोजक होंगे। इसके अलावा उप निदेशक (फाइनेंस एंड इंफ्रास्ट्रक्चर), उप निदेशक (रिसर्च प्रोग्राम, पालिसी डेवलपमेंट), उप निदेशक (कोलाबोरेशन एंड कम्युनिटी), उप निदेशक (उत्पाद विकास, निगरानी व व्यावसायीकरण), उप निदेशक (आइपीआर, लीगल एंड एथिकल मैटर्स) होंगे।

अक्षय को ज्यूडिशियल सर्विसेज में 17वीं रैंक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के पूर्व छात्र अक्षय श्रीवास्तव ने दिल्ली ज्यूडिशियल सर्विसेज में 76वीं रैंक के साथ सफलता हासिल की है। अक्षय ने 2011-2016 के दौरान लवि के विधि संकाय से विधि आनर्स की पढ़ाई की थी। कुलपति प्रो. आलोक राय, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. बीडी सिंह ने छात्र को बधाई दी। हाल ही में विधि संकाय की ही कहकशां ने भी दिल्ली ज्यूडिशियल सर्विसेज में 17वां स्थान प्राप्त किया था। (जासं)

AMRIT VICHAR PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि छात्र की आई 76वीं रैंक

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के अक्षय श्रीवास्तव ने दिल्ली ज्यूडिशियल सर्विसेज मे 76 वीं रैंक प्राप्त कर सफलता अर्जित की है । हाल ही में विधि संकाय की ही कहकशां जबीन ने भी दिल्ली ज्यूडिशियल सर्विसेज मे 17 वां स्थान प्राप्त कर सफलता अर्जित की थी। लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने अखिल भारतीय स्तर की परीक्षाओं मे उच्च रैंक के साथ सफलता प्राप्त करने के लिए छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। लखनऊ विश्वविद्यालय विधि संकाय के संकाय अध्यक्ष प्रो बी. डी. सिंह ने भी दोनों छात्रों को बधाई दी।

सैटरडे सेमिनार आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग की तरफ से सैटरडे सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में दर्शनशास्त्र विभाग की शोध छात्रा इरम खान ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रस्तुत व्याख्यान का विषय 'धर्म एवं नैतिकता के सम्बन्ध का दार्शनिक विवेचन' था। उन्होंने अपने व्याख्यान में धर्म एवं नैतिकता के मानव जीवन से सम्बन्ध एवं उसके महत्व को स्थापित करने का प्रयास किया। ईश्वरीय आदेश एवं नैतिक मूल्यों के मध्य सम्बन्ध को स्पष्ट करने का प्रयास किया।